कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 1998433

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी X

विषय भूगोल

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 8 मार्च, 2017

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7	–	25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15	–	प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड(अ)

प्र०1

उत्तर- विश्व के भोजन संग्रहण के दो क्षेत्र –

(i) उच्च अक्षांश – उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया व दक्षिण चिली।

(ii) निम्न अक्षांश → अमेजन बेसिन, उष्ण कटिबंधीय अफ्रीका आदि।

प्र०2

उत्तर- विश्व में उच्चतम लिंगानुपात वाला देश – लैटविया (1187)

विश्व में निम्न लिंगानुपात वाला देश – संयुक्त अरब अमीरात

प्र०3

उत्तर- जनसंख्या वृद्धि →

किसी निश्चित क्षेत्र की, निश्चित समयावधि में जनसंख्या में होने वाला परिवर्तन जनसंख्या वृद्धि कहलाता है। यह धनात्मक व ऋणात्मक वृद्धि हो सकती है।

प्र०4

उत्तर- भारत के उच्च मानव विकास वाले राज्य का नाम – केरल

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०5

उत्तर- सन्नगर शब्द का प्रयोग पैट्रिक गिडिज ने 1915 में किया।

प्र०6

उत्तर- जब बस्तियाँ किसी तालाब या झील के चारों ओर बस जाती है, तो उसकी आकृति वृत्ताकार प्रतीत होती है, इससे ग्रामीण बस्तियों के वृत्ताकार प्रतिरूप का निर्माण होता है।

प्र०7

उत्तर- 2011 के अनुसार भारत का सर्वाधिक जन घनत्व वाला राज्य बिहार है जबकि न्यूनतम जनघनत्व वाला राज्य अरुणाचल प्रदेश (17) है।

2001 के अनुसार सर्वाधिक जनघनत्व = प० बंगाल
2001 के अनुसार निम्नतम = अरुणाचलप्रदेश

PTO

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०8

उत्तर- एशिया महाद्वीप के दो प्रादेशिक व्यापार समूह

1. आसियान 2. साफ्टा

प्र०9

उत्तर- रूस के पश्चिम से पूर्व की ओर यात्रा करने के लिए — पार साइबेरियन रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

BSER-161/2017

प्रश्न10

उत्तर- पल्ली बस्तियों के चार स्थानीय नाम

1. नगला 2. ढाणी 3. पाड़ा ५. पाली

प्र०11

उत्तर- जल प्रदूषण के दो कारण निम्न हैं—

(i) जब उद्योगों से गर्म जल, कूड़ा करकट नदी में डाला जाता है, तो उससे जल प्रदूषण होता है।

(ii) कृषि क्षेत्र में जब रासायनिक उर्वरक डाला जाता है तो वह जल में मिल जाता है, उससे जल प्रदूषण होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०12
उत्तर

परिवहन

वायु परिवहन स्थल परिवहन जल परिवहन

वायु परिवहन की उपयोगिता →

वायु परिवहन सबसे तीव्रतम साधन है, इससे किसी भी स्थान की दूरी बहुत कम समय में की जा सकती है।

यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भी अपनी भूमिका निभाता है। यह हल्की बहुमूल्य धातुओं के व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

BSER-161/2017

प्र०13
उत्तर- नगरीय गंदी बस्तियों के दो लक्षण —

(i) नगरीय गंदी बस्तियों में आवास की समस्या तथा कूड़ा निपटान की समस्या पायी जाती है।
(ii) नगरीय गंदी बस्तियों में पर्याप्त पेय जल की समस्या तथा वायु प्रदूषण पाया जाता है।

प्र०14
उत्तर- आर्थिक भूगोल के चार उपक्षेत्र

1. कृषि भूगोल 2. पर्यटन भूगोल, विपणन भूगोल, 4. संसाधन भूगो

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०15 निम्न स्तर वाले देशों में मानव विकास को बढ़ाने के सुझाव निम्न है →

(i) निम्न स्तर वाले के देशों में मानव विश्व की कमी का कारण उनमें चल रहे गृह युद्ध, राजनैतिक स्थिरता है इसलिए इन विवादों को बातचीत के माध्यम से विवाद को सुलझाना। इस प्रकार मानव विकास में वृद्धि होती है।

(ii) सामाजिक व आर्थिक स्तर को बढ़ाकर।

(iii) संसाधनों तक पहुँच के लिए लोगों को सशक्तिकरण व स्वतंत्रता में वृद्धि करना।

(iv) शैक्षणिक स्तर को बढ़ा कर, मानव विकास को बढ़ाया जा सकता है।

प्र०16

पँचम क्रिया	चतुर्थ क्रिया
(i) पँचम क्रिया चतुर्थक क्रियाओं का सुधरा हुआ रूप है। इन क्रियाओं में उच्च स्तर के निर्णय लिया जाता है।	(i) ये क्रिया सूचना व अन्वेषण पर आधारित है, जो ज्ञान आधारित क्रिया है।
(ii) इसमें कार्य करने वाले श्रमिकों को स्वर्ण कॉलर कहते हैं	(ii) इसमें कार्य करने वाले श्रमिकों को सफेद कॉलर कहते हैं। इसमें कि प्राथमिक शिक्षा व रंगमंचों के कार्य शामिल होते हैं।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न7 सन् 1991 की जनगणना के अनुसार नगरीय बस्तियों की चार विशेषताए →
(i) 75% लोग गैर-कृषि कार्यों में लगे होने चाहिए।
(ii) 400 प्रति व्यक्ति कि॰मी॰ घनत्व या उससे अधिक होना चाहिए।
(iii) 5000 जनसंख्या होनी चाहिए।
(iv) नगरपालिका, नगर निगम व छावनी बॉर्ड होने चाहिए।
ये चार विशेषता होने पर कोई क्षेत्र नगर कहलाता है।

प्रश्न8
उत्तर→ भारत में प्रवास के पर्यावरणीय परिणाम →
(i) जब लोगो ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर प्रवास करते है तो इससे भौतिक संसाधनों पर दबाव पड़ता है।
(ii) ग्रामीण-नगरी प्रवास से अनियोजित बस्तियों को बढ़वा मिलता है, कूड़ा-करकट निपटान की समस्या आती है।
(iii) पर्याप्त पेय जल में कमी आती है।
(iv) वायु प्रदूषण बढ़ता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०19 पश्च जल के दो उपयोग निम्न हैं —

(i) पश्चय जल का उपयोग मछली पालने तथा नौकायान में किया जाता है।

(ii) इस जल से चावल की कुछ फसल तथा नारियल की सिंचाई में उपयोग होता है।

प्र०20

उत्तर- भारत में सड़कों के असमान वितरण के चार कारण निम्न हैं →

(i) भौतिक कारक →

भारत की जलवायु, मृदा, व पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण सड़क असमान पायी जाती हैं।

(ii) आर्थिक कारक →

भारत के कुछ क्षेत्रों में उद्योगिक कार्य तथा अधिक विकास हुआ है, इस कारण सड़क का विकास भी वहाँ ज्यादा हैं।

(iii) धार्मिक कारक →

जिन क्षेत्रों में धार्मिक कार्य अधिक होते हैं वहाँ सड़को का विकास अधिक है जैसे— उत्तर भारत।

(iv) सांस्कृतिक कारक →

सांस्कृतिक भी सड़को को प्रभावित करते हैं, इस कारण सड़कों का असमान वितरण हैं।

1-1.0

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०21

उत्तर- मुम्बई पतन के विकास के विकास कारण निम्न है-

(i) मुम्बई पत्तन अफ्रीका, और यूरोपिय देशों के नजदीक होने के कारण, उससे विदेशी व्यापार होता है

(ii) मुम्बई पत्तन के आस पास कपास की मात्रा ज्यादा होने के कारण उसका विकास हुआ है।

(iii) यह भारत का एक बड़ा प्राकृतिक पत्तन है जिससे अधिकांश व्यापार होता है, इस कारण इसका विकास हुआ है।

(iv) यह नम जलवायु क्षेत्र में स्थित है तथा यहा अधिकांश क्षेत्र में सुती वस्त्र उद्योग है. इन कारणों से मुम्बई पत्तन का विकास हुआ है।

प्र०22 भू-निम्नीकरण को रोकने के चार उपाय →

(i) वनीकरण व चारागाह का विकास करके →
भू-निम्नीकरण को रोकने के लिए वनीकरण अर्थात अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

(ii) दलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाकर →
आज के समय में दलहन फसल समाप्त हो गयी है, इस कारण भू निम्नीकरण हुआ है। दलहन फसलों के बढ़ाने से नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है। उससे भू-निम्नीकरण कम होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) आवश्यकता अनुसार सिंचाई करना →

भू-निम्नीकरण को रोकने के लिए आवश्यकता अनुसार सिंचाई करनी चाहिए क्योंकि अधिक सिंचाई से लवणता व क्षारीयता में वृद्धि होती है।

(iv) रासायनिक उर्वरकों का कम प्रयोग →

रासायनिक उर्वरकों का सीमित प्रयोग करना चाहिए। इसके स्थान पर गोबर की खाद व हरी का उपयोग करना।

खण्ड (स)

प्र०25

उत्तर → गद्दी जनजाति हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में अधिकतर पायी जाती है। यह जनजाति बहुत पिछड़ी हुई थी। यह गद्दीयाली भाषा में बात करती है तथा ऋतु प्रवास भी करती है। जब इसमें समन्वित विकास कार्यक्रम प्रथा प्रारम्भ किया तो अनेक परिवर्तन हुए।

गद्दी जनजाति के सामाजिक जीवन आये परिवर्तन →

(i) जब गद्दी जनजाति के विकास के लिए परियोजना लागू कि, तो इससे यहा विद्यालयो, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क परिवहन, तथा अनेक आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि हुई।

(ii) गद्दी जनजाति में महिला साक्षरता में तेजी से वृद्धि हुई।

(iii) बाल विवाह में कमी आयी अर्थात अब विवाह का आयु में वृद्धि हुई। →

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) अब यहाँ प्रारम्भिक फसलों के अतिरिक्त व्यापारिक फसलों, दाले फसलों में वृद्धि हुई।

(v) इस तथ्य से पता लगाया जा सकता है कि यहाँ अब के पल 1/10 भाग ही लोग ऋतु प्रवास करते हैं।

इस प्रकार गद्दी जाति के सामाजिक जीवन में परिवर्तन हुआ।

BSER 161/2017

प्र०26

उत्तर- आकार के आधार विनिर्माण उद्योग

↓

कुटीर उद्योग | लघु उद्योग | वृहद् या बड़े उद्योग

(i) कुटिर उद्योग →

यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है, जिसमें सामान्य यंत्रो का उपयोग करके तथा परिवार के सदस्यों द्वारा, कम मात्रा में उत्पादन किया जाता है। इसमें मुख्यत उत्पादन का उपभोग परिवार के द्वारा ही किया जाता है।

उदाहरण → बांस की टोकरी बनना, झाड़ू बनना, चमड़ा का काम, चटाई बनाना, मिट्टी के बर्तन बनाना आदि कार्य आता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) लघु उद्योग →

लघु उद्योग कुटीर उद्योग से भिन्न होता है। इसमें विद्युतचलित तकनीकी तथा अकुशल श्रमिकों का प्रयोग किया जाता है। यह उद्योग रोजगार को बढ़ाता है इसलिए यह - भारत, इंडोनेशिया, चीन, ब्राजील आदि देशों में पाया जाता है।
इसमें - पैकिंग का कार्य, साइकिल निर्माण आदि कार्य आते हैं।

(iii) बड़े उद्योग →

बड़े उद्योगों में उच्च प्रौद्योगिकी, अधिक कच्चा माल, अधिक उत्पादन, कुशल श्रमिक, बड़े बाजार की आवश्यकता होती है।
इसमें → सूती वस्त्र उद्योग, बड़े कारखाने आते हैं।

BSER-161/2017

प्र०27
उत्तर-

प्रकार्य के आधार पर भारतीय नगर

- प्रशासकीय नगर
- उद्योग नगर
- परिवहन नगर
- खनन नगर
- वाणिज्यिक नगर
- पर्यटन नगर
- धार्मिक व सांस्कृतिक नगर
- शैक्षणिक नगर
- गैरीसन नगर

(i) प्रशासन नगर →

प्रशासन नगर वे नगर हैं जिनमें प्रशासन सम्बंधी कार्य होते हैं —
जैसे → चण्डीगढ़, दिल्ली, जयपुर, आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उद्योग नगर→
वे नगर जहाँ उद्योगो से सम्बंधित कार्य होता है जैसे → मुम्बई, जमशेदपुर, भिलाई आदि।

परिवहन नगर →
परिवहन नगरों में मुख्यत: वाराणसी, धुलिया, मुगलसराय आदि नगर शामिल है।

खनन नगर→
खनन सम्बंधित कार्यों के लिए मुख्यत रानीगंज, झरिया, डिगबोई आदि।

वाणिज्यक नगर→
व्यापार व वाणिज्य की विशिष्टता प्राप्त नगरों को वाणिज्यक नगर कहते हैं।

पर्यटन नगर→
पर्यटन नगरों में पर्यटन से सम्बंधित अधिक कार्य होते है → शिमला, जैसलमेर।

धार्मिक नगर→
धार्मिक नगरों में मुख्यत पुष्कर, वाराणासी, आदि नगर शामिल है।

शैक्षणिक नगर→
शैक्षणिक नगरों में रुड़की, पिलानी, वाराणासी शामिल है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गैरीसन नगर →
गैरीसन नगरों में सैन्य अभ्यास, व प्रशिक्षण सम्बंधित कार्य होते हैं। यह छावनी नगर है।
जैसे → मेरठ, बबीना, जालंधर आदि।

खण्ड (द)

प्रश्न (28)
उत्तर → अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के चार आधार
- राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता
- जनसंख्या कारक
- परिवहन
- विदेशी निवेश की प्रावस्था

1. राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता →
राष्ट्रीय संसाधनों में जलवायु, उच्चावच्च, मृदा, आदि के आधार पर भिन्नता पायी जाती है।
(क) मृदा कृषि तथा पशुचारण की स्थिति को निर्धारित करती है। पहाडी क्षेत्र पर्यटन को बढ़ाते है इस कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार होता है।
(ख) जलवायु के कारण कृषि क्षेत्र में भी परिवर्तन होता है। जिन क्षेत्रों की जलवायु ठण्डी होती है वहा ऊन उत्पादन किया जाता है। जबकि उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में कहवा, केले की फसल प्रमुख होती है।
(ग) धरातलीय भिन्नता खनिज संसाधनों को प्रभावित करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) जनसंख्या कारक →

जनसंख्या का वितरण, धनत्व तथा अन्य कारक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करता है।

(क) सांस्कृतिक कारक → विभिन्न देशों के शिल्प कार्य तथा हस्तशिल्प विश्वभर में पसंद किये जाते है, इस कारण सांस्कृतिक कारक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करते है।

उदाहरण → 1. चीन के → मिट्टी चीनी के बर्तन।
2. ईरान → कालीन प्रसिद्ध है।
3. अफ्रीकी देशो का → चमड़े का काम।
4. इंडोनेशिया का बटिक।

(ख) जनसंख्या गहनता भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करता

(iii) परिवहन →

प्राचीन समय में परिवहन का विकास बहुत कम था इसलिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कम होता था जबकि वर्तमान समय में वायु परिवहन, जलपरिवहन व स्थल परिवहन का पूर्णरूप विकास हो चुका है इस कारण परिवहन भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार है।

(iv) विदेशी निवेश की सीमा →

किसी भी देश में विदेशी निवेश की सीमा उस देश के विकास में सहायक है। जब किसी देश में खनिज, तथा अन्य पदार्थ अनेक मात्रा में स्थित है लेकिन आर्थिक विकास की कमी है, तो उस समय विदेशी निवेश महत्त्वपूर्ण है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र॰२१ भारतीय कृषि की समस्याएँ निम्न हैं :—

उत्तर-(i) मानसून पर निर्भरता।

(ii) उत्पादकता में कमी।

(iii) वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ एवं ऋणग्रस्तता।

(iv) छोटे खेत, विखंडित जोत।

(i) मानसून पर निर्भरता :—

भारतीय कृषि का एक तिहाई भाग ही सिंचित है, इसके अलावा अन्य कृषि पूरी तरह मानसून पर निर्भर है। मानसून की अनियमितता इसको प्रभावित करती है। जिन क्षेत्रों में अधिक वर्षा होती है उनमें काफी उतार-चढ़ाव पाया जाता है। जबकि राजस्थान जैसे देशों राज्य में वर्षा बहुत कम होती है जबकि इसमें भी उतार - चढ़ाव पाया जाता है यदा कदा बाढ़ भी आ जाती है।

जैसे - 2006 में राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र में आयी बाढ़।

(ii) उत्पादकता में कमी :—

भारतीय कृषि में अन्य राष्ट्र जैसे सोवियत संघ (रूस), संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व जापान की तुलना में कम उत्पादकता होती है। भारत में दालें व खाद्य गेहूँ तथा अन्य फसलें इन देशों से कम होती है।

इस प्रकार निम्न उत्पादकता भी भारतीय कृषि की एक समस्या है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) वित्तीय संसाधनों की बाधाएँ व ऋणग्रस्तता →

भारतीय किसानों के पास आर्थिक संसाधनों की कमी है इस कारण वे अपनी कृषि में अधिक निवेश नहीं कर पाते है।

जब कभी भी भारतीय किसान ऋण लेकर अपनी फसलों में निवेश करते है, लेकिन जब फसल नष्ट हो जाती है तो वे जमीदारों व साहूकारों के शिकार हो जाते है।

(iv) छोटे खेत, विखंडित जोत →

भारत के किसानों के पास बहुत कम जोत है। 60% किसानों के पास एक हेक्टेयर भूमि है जबकि 40% किसानों के पास एक हेक्टेयर से भी कम भूमि है। यह जो जोत इनके पास है, वह विखंडित जोत है। चकबंदी का अभाव है इसे मिलाने के लिए प्रयास किया जाता है, लेकिन यह पुन विखंडित हो जाती है क्योंकि यह भूमि अगली पीढ़ी में विभाजित हो जाती है।

इस प्रकार हम ... कि भारतीय कृषि में अनेक प्रकार की समस्याए है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.30

उत्तर→

आधार	स्वेज नहर	पनामा नहर
1. स्थिति	स्वेज नहर मिश्र देश मे स्थित है। यह नहर भूमध्य सागर व लाल सागर को जोड़ती है। इसका निर्माण 1869 में उत्तर में पोर्ट साईद व दक्षिण में पोर्ट स्वेज को मिलाकर इसका निर्माण किया।	यह नहर पनामा देश में स्थित है जिसपर अमेरिका का अधिकार है इसका निर्माण 1914 में पनामा व कोलोन पतन को मिलाकर की। इसके निर्माण के लिए अमेरिका ने कुछ भूमि खरीदी।
2. लम्बाई व चौडाई	स्वेज नहर की लम्बाई 163 कि.मी. है जबकि इसकी चौडाई 365 m है इस नहर की गहराई 11-15 मी. लगभग है।	पनामा नहर की लम्बाई 72 कि.मी है जबकि इसकी चौडाई लगभग 350 m है इसकी गहराई 12-26 m है।
3. जलबाधक	स्वेज नहर की भूमि ~~समुद्रतल~~ समतल है जबकि इसमें किसी प्रकार का जल बाधक नहीं है।	पनामा नहर की बनावे के कारण इसकी भूमि उबड़ खाबड़ है जबकि इसमें लगभग 6 जल बाधक है।

→ P.T.O

BSER 161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ब) प्रभावित देश	स्वेज नहर आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है यह नहर पनामा की तुलना में अधिक देशों को प्रभावित करती है। यह नहर अफ्रीकी, यूरोपिय व एशियाई देशों को प्रभावित करती है।	पनामा नहर स्वेज नहर की तुलना में कम महत्वपूर्ण है। यह स्वेज की तुलना में कम देशों को प्रभावित करती है। यह उ० अमेरिका व द० अमेरिका देशों को प्रभावित करती है।

P.T.O →

BSER-161/2017

पृ० 23

Sl.No. : 165262

नामांक Roll No.

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2017
Subject : GEOGRAPHY

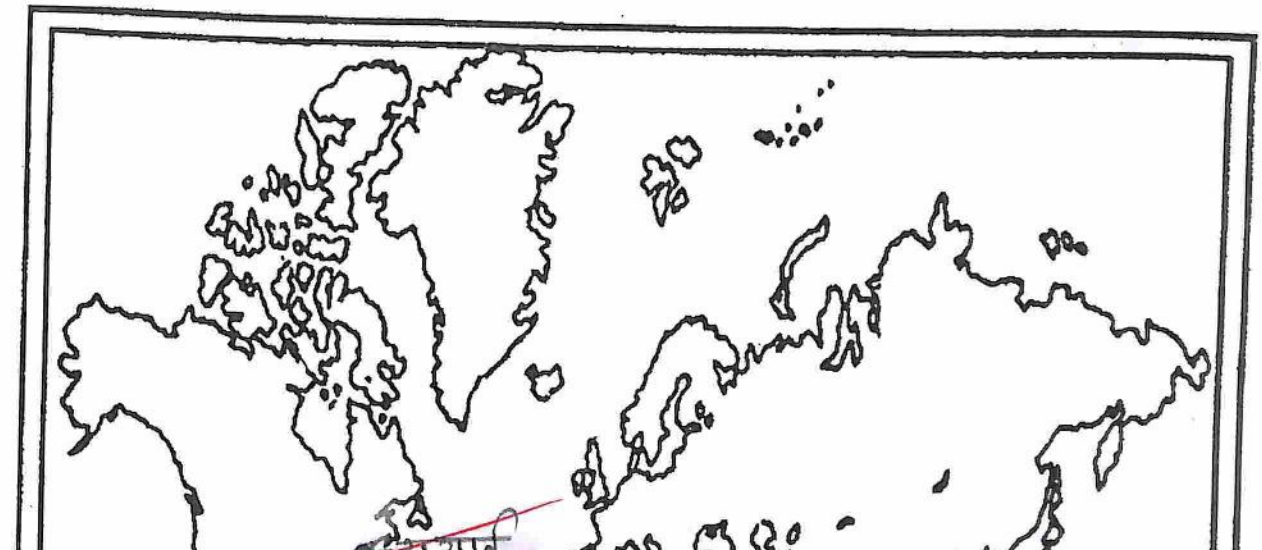

Sl.No. : 165262

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2017

Subject : GEOGRAPHY

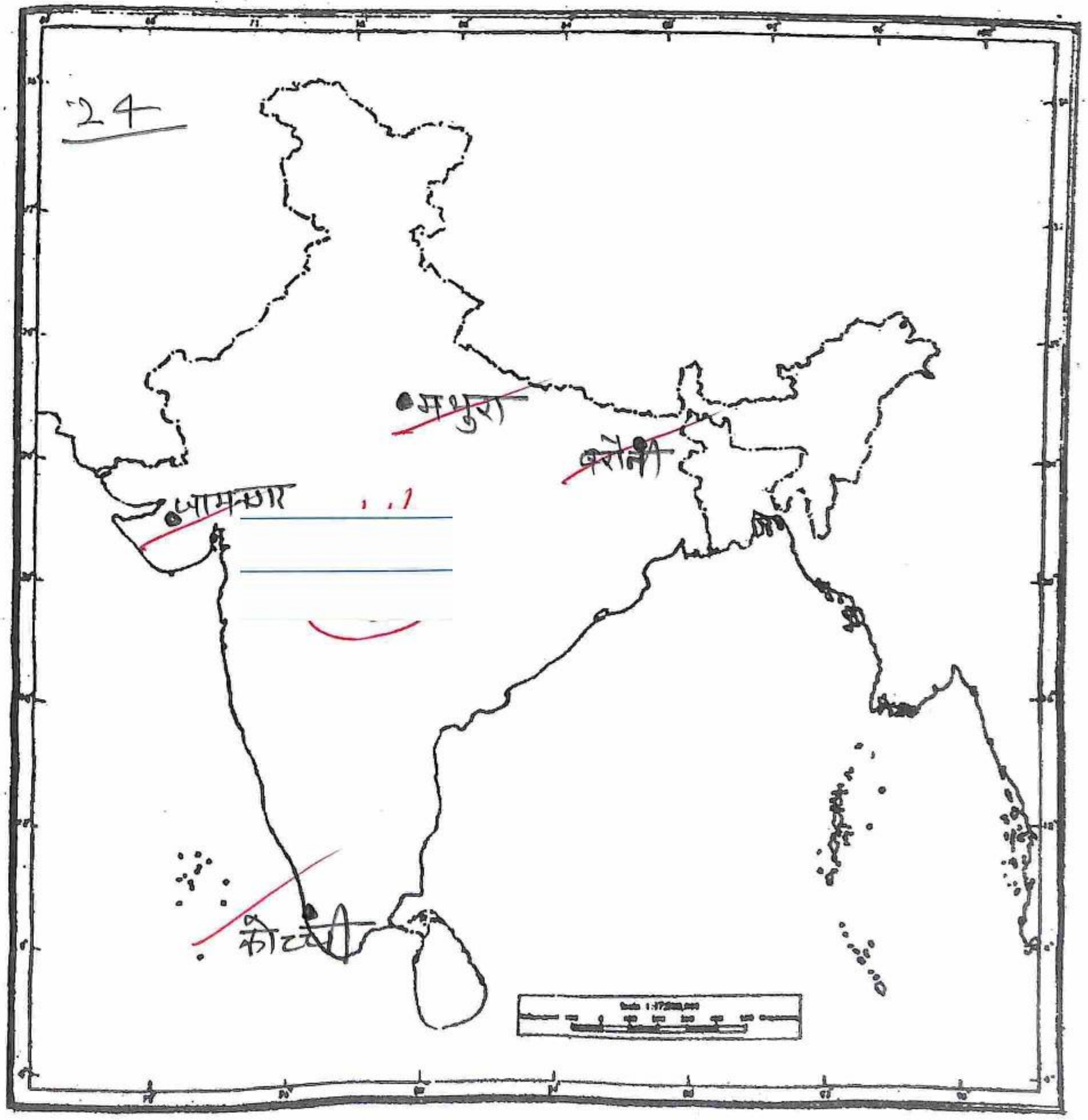

समाप्त